085/X/SA2/18/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

हमारा जीवन ईश्वर का दिया हुआ सर्वश्रेष्ठ उपहार है। इस जीवन रुपी उद्यान को सुगंध से परिपूर्ण बनाने के लिए तथा स्वयं को भी संतुष्ट रखने के लिए कुछ बातें ध्यान में रखनी अति आवश्यक हैं। यदि इन बातों को हम सदैव ध्यान में रखें तो निश्चित रुप से हमें सही मायनों में आत्मिक सुख प्राप्त हो सकेगा। कभी भी किसी से कुछ पाने की आशा न करें, क्योंकि यह जरुरी नहीं कि किसी व्यक्ति से की गई आपकी अपेक्षाएँ हमेशा पूरी ही हों। आशा के विपरीत होने पर हो सकता है कि आपका मन दुख पाए। अत: किसी दूसरे से कोई अपेक्षा ही क्यों रखी जाए। सदैव धीरज से काम लें, क्योंकि रास्ते लंबे होते हैं, लेकिन अंतहीन नहीं। कोई भी कदम उठाने से पहले भली-भाँति सोच-विचार लें; क्रोध को अपने वश में रखे, क्योंकि क्रोध विवेक का हरण कर लेता है। क्रोध का आरंभ मूर्खता से होता है और पश्चाताप पर समाप्त होता है। मानव मन की एक बहुत बड़ी कामना होती है कि वह दूसरों के हृदय पर अपना प्रभाव जमाए, इसके लिए बुद्धि का प्रयोग करना होता है। निस्संदेह संसार में बुद्धिमत्ता का आदर होता है। बुद्धिमत्ता के लिए आवश्यक है ज्ञानार्जन। ज्ञानार्जन के लिए कोई आयु-सीमा नहीं और ज्ञान अनंत है। अत: जहाँ से भी जो ज्ञान मिले, उसे प्राप्त करने का अवसर न चूकें। सदैव याद रखें कि 'मधुर वचन है औषधि कटू वचन है तीर।' इन शब्दों को ध्यान में रख कर ही बोलें।

(क) रास्ते लंबे होते है, अंतहीन नहीं, इसलिए -

(1) सँभलकर चलें। (2) धैर्य रखें।
(3) सदा संतुष्ट रहें। (4) जीवन उद्यान को सुगंधित बनाए रखें।

(ख) स्वयं को संतुष्ट रखने के लिए इनमें से कौन सी बात आवश्यक नहीं है?

(1) सदैव धीरज से काम लेना।
(2) किसी से कुछ पाने की आशा न करना।
(3) बिना विचारे आगे बढ़ते जाना।
(4) कोई भी कदम उठाने से पहले भली-भाँति सोच लेना।

(ग) क्रोध के बारे में सच नहीं है

(1) मूर्खता से आरंभ होता है। (2) मन को शांति देता है।
(3) पश्चाताप पर समाप्त होता है। (4) विवेक का हरण कर लेता है।

(घ) इनमें से कौन-सी विशेषता ज्ञान पर लागू नहीं होती -

(1) ज्ञान अनंत है।
(2) ज्ञानार्जन बुद्धिमत्ता के लिए आवश्यक है।
(3) ज्ञानार्जन के लिए कोई आयु सीमा नहीं होती।
(4) ज्ञान प्राप्त करने का निश्चित समय होता है।

(ङ) 'विवेक' और 'मूर्खता' से बने विशेषण है -

(1) विवेकता, मूर्खत्व (2) विवेकी, मूर्ख
(3) विवेकित, मूर्ख (4) विवेकहीन, मूर्खान्तु

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

कहना कठिन है कि अकबर के द्वारा प्रारंभ किए गए 'तौहीदे इलाही' पंथ की प्रेरणा राजनीति से मिली या भारतीय धर्मों की समन्वय भावना से। 'तौहीदे इलाही' की कल्पना राजनैतिक भी थी और धार्मिक भी। राजनैतिक वह इस कारण थी कि आरंभ के मुगल बादशाह बाबर, हुमायूँ और अकबर-प्रयासपूर्वक हिंदुओं के साथ मित्रता का संबंध स्थापित करना चाहते थे। पठानों से मुगलों की पटती नहीं थी, अतएव, मुगल चाहते थे कि राजपूत उनके दोस्त बन जाएँ। बाबर ने वसीयत के जरिये हुमायूँ को सलाह दी थी कि हिंदुस्तान पर हुकूमत करते हुए हिंदुओं की धार्मिक

भावना को ठेस मत पहुँचाना। और हुमायूँ ने भी अकबर के लिए वसीयत छोड़ी थी कि, हो सके तो, राजपूतों के साथ वैवाहिक संबंध स्थापित करके उनके साथ अपनी मित्रता पक्की कर लेना। अकबर इन राजनैतिक परम्पराओं का मूल्य समझता था। साथ ही उसने धर्म के उस महाजागरण से भी शिक्षा ली थी जो सूफियों और हिंदू संतों के सहारे सारे भारत में फैल रहा था। और जिसका लक्ष्य मनुष्य को धर्म को कट्टरता से ऊपर उठा कर मानवीय पक्ष की ओर पर ले जाना था। यही कारण है कि अकबर ने उसे मज़हब नहीं, 'दीन' कहा; दीन-ए-इलाही अर्थात् ईश्वर का मार्ग।

(क) अकबर ने जो नया पंथ चलाया था उसका नाम था

(1) इस्लाम मज़हब (2) वाम मार्ग

(3) दीन-ए-इलाही (4) सूफ़ी मत

(ख) धर्मों की समन्वय भावना का आशय है -

(1) धर्मो में शत्रुता (2) परस्पर मेल जोल

(3) धार्मिक कट्टरता (4) सांप्रदायिकता

(ग) मुगल बादशाह प्रारंभ में क्या चाहते थे ?

(1) भारत पर राज्य करना। (2) इस्लाम को फैलाना।

(3) हिंदुओं को डराना। (4) हिंदुओं के साथ मित्रता का प्रयास।

(घ) अकबर को अपने पिता और दादा से कौन-सी राजनैतिक परंपरा उत्तराधिकार में मिली थी ?

(1) भारत में शासन (2) भारत मे धर्म प्रचार

(3) तौहीदे इलाही का प्रचार (4) हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुँचाना

(ङ) सूफियों और हिंदू संतों का लक्ष्य क्या था ?

(1) धर्म को मानवीय पक्ष की ओर ले जाना।

(2) धार्मिक प्रवृत्तियों को उजागर करना।

(3) मुगल बादशाहों की सहायता करना।

(4) बाबर की वसीयत को समझना।

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो।
उसको क्या जो दंतहीन
विषरहित विनीत सरल हो।
तीन दिवस तक पंथ माँगते
रघुपति सिंधु किनारे,
बैठे पढ़ते रहे छंद
अनुनय के प्यारे-प्यारे,
उत्तर में जब एक नाद भी
उठा नहीं सागर से।
उठी अधीर धधक पौरुष की

आग राम के शर से।
सिंधु देहधर 'त्राहि-त्राहि'
करता आ गिरा शरण में,
चरण पूज दासता ग्रहण की,
बँधा मूढ़ बंधन में,
सच पूछो तो शर में ही
बसती है दीप्ति विनय की।
संधि वचन संपूज्य उसी का, जिस में शक्ति विजय की।

(क) कवि के अनुसार किसके वचन मान्य होते हैं?

(1) कमज़ोर व्यक्ति के	(2) स्वस्थ व्यक्ति के
(3) जिसमें विजय पाने की शक्ति हो	(4) जो विनम्र हो

(ख) क्षमा किस भुजंग को शोभा देती है?

(1) जो देखने में भयानक हो	(2) जो बहुत बड़ा हो
(3) जिसमें विष न हो	(4) जिसमें डसने की क्षमता हो

(ग) राम समुद्र से क्या प्रार्थना कर रहे थे?

(1) पुल बनाने की आज्ञा	(2) सागर पार करने का रास्ता
(3) पानी सुखाने की प्रार्थना	(4) सागर पार करने के लिए नाव

(घ) समुद्र ने राम की दासता क्यों ग्रहण की?

(1) राम ने क्रोधित हो कर शस्त्र उठाया	(2) राम ने विनम्रता से प्रार्थना की
(3) राम ने पुल बनवा दिया	(4) लक्ष्मण से सागर डर गया

(ङ) काव्यांश से क्या शिक्षा मिलती है?

(1) कायर की सब सहायता करते हैं।
(2) विनम्रता होने पर कमजोर के सामने भी लोग झुक जाते हैं।
(3) सामर्थ्यवान ही क्षमा करने का अधिकार रखता हैं।
(4) शक्तिशाली को सब सलाम करते हैं।

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तरों वालें विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

नवीन कंठ दो कि मैं नवीन गान गा सकूँ,
स्वतंत्र देश की नवीन आरती सजा सकूँ।
नवीन दृष्टि का नया विधान आज हो रहा,
नवीन आसमान में विहान आज हो रहा,
खुली दसों दिशा खुले कपाट ज्योति-द्वार के
विमुक्त राष्ट्र-सूर्य आसमान आज हो रहा।

युगांत की व्यथा लिए अतीत आज रो रहा,
दिगंत में वसंत का भविष्य बीज बो रहा,
सुदीर्घ क्रांति झेल, खेलकर ज्वलंत आग से

स्वदेश बल सँजो रहा, कड़ी थकान खो रहा।
प्रबुद्ध राष्ट्र की नवीन वंदना सुना सकूँ,
नवीन बीन दो कि मैं अगीत गान गा सकूँ !

(क) आपके विचार से यह कविता कब की है?

(1) स्वतंत्रता के बाद की (2) स्वतंत्रता से पहले की
(3) स्वतंत्रता के संघर्ष की (4) गणतंत्र दिवस की

(ख) हमारा देश किस प्रकार अपने पैरों पर खड़ा हो रहा है?

(1) दूसरों की सहायता ले कर (2) विदेशी सहायता से
(3) संघर्ष की थकान को खोकर (4) दूसरों की कृपा से

(ग) कवि कैसा गीत गाना चाहता है?

(1) मधुर गीत (2) देश-भक्ति गीत
(3) विरह गीत (4) नवीन गीत जो अब तक गाया नहीं जा सका।

(घ) कवि इस कविता में किसकी बात कर रहा है?

(1) युद्ध की (2) नव-निर्माण की
(3) शांति की (4) निराशा की

(ङ) अतीत के रोने का कारण क्या हो सकता है?

(1) वर्तमान का आ जाना (2) भविष्य दिखाई पड़ना
(3) अतीत की मनमानी से मुक्ति (4) भारत का बलवान हो जाना

खंड 'ख'

5. (i) <u>ऐसा व्यापक और भयंकर</u> सूखा कभी नहीं पड़ा। रेखांकित पदबंध है। **1**

(क) विशेषण पदबंध (ख) संज्ञा पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

(ii) वह फुटबॉल की तरह लुढ़ककर गिर गया। क्रियाविशेषण पदबंध है। **1**

(क) फुटबॉल की तरह लुढ़ककर (ख) लुढ़ककर गिरना।
(ग) फुटबॉल की तरह (घ) फुटबॉल की तरह लुढ़कना

(iii) हामिद बड़ी <u>पतंग</u> उड़ा रहा है। रेखांकित पद का परिचय दिए गए विकल्पों में से चुनिए। **1**

(क) संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन
(ख) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन
(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन
(घ) संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

(iv) <u>मैं</u> कल बीमार था इसलिए नहीं आ सका। रेखांकित पद का परिचय होगा - **1**

(क) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन
(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन
(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन
(घ) पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुष विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन

6. (i) यह वही पुस्तक है, जो सुजाता ने दी थी। वाक्य का भेद बताइए। 1

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य (ग) मिश्र वाक्य (घ) साधारण वाक्य

(ii) यह घर है कि मंदिर? वाक्य भेद बताइए। 1

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य (ग) मिश्र वाक्य (घ) संकेतवाचक वाक्य

(iii) संयुक्त वाक्य छाँटिए – 1

(क) युग बीत जाता है परन्तु नैतिकता जीवित रहती है

(ख) जिनको हमने अपना समझा, वे भी पराए निकले

(ग) बिना विध्वंस किए नव-निर्माण नहीं होता

(घ) आपने जो कहा, मैंने सुन लिया

(iv) मिश्र वाक्य छाँटकर लिखिए – 1

(क) आज दिल्ली जाना है इसलिए छुट्टी ले ली है।

(ख) जब पानी बरस रहा था। तब मैं रास्ते में ही था।

(ग) सब अकेले-अकेले और अपने लिए जीना चाहते हैं।

(घ) राधा गा रही है और नाच रही है।

7. (i) 'भू+ऊर्जा' की संधि है – 1

(क) भुजा (ख) भुर्जा (ग) भूर्जा (घ) भवर्जा

(ii) 'धर्माधर्म' का संधि-विच्छेद है – 1

(क) धर्मा + धर्म (ख) धरमा + धरम (ग) धर्म + अधर्म (घ) धर्मा + अधर्म

(iii) 'सप्तर्षि' का सही विग्रह तथा समास होगा – 1

(क) सात ऋषि रहते हों जहाँ – बहुव्रीहि (ख) सात हैं जो ऋषि – बहुव्रीहि

(ग) सात ऋषि हैं जो – कर्मधारय (घ) सात ऋषियों का समाहार – द्विगु

(iv) निम्नलिखित में से कर्मधारय समास छाँटकर लिखिए – 1

(क) राजकुमार (ख) बाणाहत (ग) राजपुत्र (घ) मुखचंद्र

8. (i) 'आसमान से गिरा खजूर में अटका।' लोकोक्ति का सही अर्थ होगा – 1

(क) ज्यादा ऊँचाई से गिरकर कम ऊँचाई पर अटकना।

(ख) एक मुसीबत से निकल दूसरी में फँसना।

(ग) असफल होने से मुसीबत आना।

(घ) खजूर जैसा ऊँचा होना।

(ii) इस दुकान पर वेतन तो बहुत कम मिलता है, पर करूँ क्या ------। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति करें। 1

(क) अंत भले का भला

(ख) बेकारी से बेगारी भली

(ग) आधी छोड़ सारी को धावै, आधी मिले न सारी पावै

(घ) पसीना तो बहाना ही पड़ेगा

(iii) मेरी बात __________ बिना परिश्रम के किसी को भी सफलता नहीं मिलती। उचित मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। 1

(क) पत्थर की लकीर होना (ख) गाँठ बाँध लेना

(ग) गट्ठर बाँध लेना (घ) अच्छी तरह समझ लेना

(iv) चंद्रसिंह का मोहनलाल से क्या मुकाबला, एक के घर रोटी पकाने का आटा भी नहीं, दूसरा मिल का मालिक है। भला, __________। उपयुक्त लोकोक्ति चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। 1

(क) कहाँ राजा राम कहाँ रावण (ख) कहाँ चाँद कहाँ धरती का पत्थर

(ग) कहाँ राजा भोज कहाँ गंगू तेली (घ) छछूँदर के सिर में चमेली का तेल

9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है – 1

(क) तुम तुम्हारे घर जाओ। (ख) आप कब आओगे?

(ग) मैं सच कह रही हूँ। (घ) मेरे को क्या करना है?

(ii) शुद्‌ध वाक्य चुनिए । 1

(क) उन्होंने हाथ को जोड़ा। (ख) उसने हाथ जोड़ा।

(ग) उसने हाथों को जोड़ा। (घ) उन्होंने हाथ जोड़े।

(iii) निम्नलिखित में शुद्‌ध वाक्य होगा – 1

(क) जंगल में कड़ा अंधकार है। (ख) जंगल में बड़ा ही अंधकार है।

(ग) जंगल में घना अंधकार है। (घ) जंगल में घोर अंधकार है।

(iv) अशुद्‌ध वाक्य का चयन कीजिए – 1

(क) मुझे घर जाना है। (ख) तुमने झूठ बोला।

(ग) मैने कुर्सी तोड़ी है। (घ) मैंने कुछ नहीं बोला।

खंड 'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। 1x5=5

प्रगट भए द्‌विजराज – कुल सुबस बसे ब्रज आइ।
मेरे हरौ कलेस सब, के सब केसवराइ।।
जपमाला, छापै, तिलक सरै न एकौ कामु।
मन-काँचै नाचै वृथा, साँचे राँचे रामु।।

(i) प्रस्तुत दोहे किसके द्‌वारा रचित हैं?

(क) कबीरदास (ख) बिहारी (ग) मीरा (घ) रसखान

(ii) 'बिहारी' के पिता का क्या नाम था?

(क) केशवदास (ख) सुदामा (ग) सुजान भगत (घ) केशवराय

(iii) 'द्‌विजराज' का अर्थ है –

(क) चंद्रवंशी राजा (ख) ब्राह्मण

(ग) चंद्रवंशी राजा व ब्राह्मण दोनों (घ) पक्षी

(iv) कवि के अनुसार किस चीज़ से कोई काम नहीं चलता?

(क) जपमाला से (ख) मस्तक पर तिलक लगाने से

(ग) राम-राम जपने से (घ) उपर्युक्त सभी से

(v) ईश्वर कहाँ निवास करते है?

(क) सच्चे हृदय में (ख) मंदिर में

(ग) माला जपने वाले के पास (घ) कच्चे मन में

अथवा

जिंदा रहने के मौसम बहुत हैं मगर
जान देने की रुत रोज़ आती नहीं
हुस्न और इश्क दोनों को रुस्वा करे
वो जवानी जो खूँ मे नहाती नहीं
आज धरती बनी है दुल्हन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो

(i) जीवन में कौन सा अवसर दुर्लभ है?

(क) इश्क करने का (ख) जिंदा रहने का

(ग) देश के लिए मरने का (घ) सेना में सम्मिलित होने का

(ii) किस प्रकार की युवावस्था व्यर्थ है?

(क) जिसमें प्रेम न हो (ख) जो देश के लिए लड़कर खून न बहाए।

(ग) जो विवाह के बंधन में न बँधे। (घ) जो खेलों में आनंद न प्राप्त करे।

(iii) कवि ने उपर्युक्त काव्यांश में किसे दुल्हन माना है?

(क) अपनी पत्नी को (ख) अपनी माँ को

(ग) अपनी बहन को (घ) देश की धरती को

(iv) कवि ने धरती को दुल्हन क्यों माना है?

(क) क्योंकि धरती की माँग वीरों के खून से सजी है।

(ख) धरती पर लाल रंग के फूल खिले हैं।

(ग) धरती को सजाया गया हैं।

(घ) फसलों से सजे खेतों के कारण।

(v) सैनिक देश को किसे सौंपना चाहते है?

(क) सभी सैनिकों को (ख) युवाओं को

(ग) नेताओं को (घ) कवि को

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर पठित पाठों के आधार पर लिखिए। **2½+2½=5**

(क) कर्नल ने वजीर अली के लिए अंत में किन शब्दों का प्रयोग किया? उसने ऐसा क्यों कहा?

(ख) शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यवहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है?

(ग) ख्यूक्रिन का यह कथन की 'मेरा भाई भी पुलिस में है...।' समाज की किस वास्तविकता की ओर संकेत करता है?

(घ) सआदत अली कौन था? उसने वजीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?

12. 'अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के माध्यम से लेखक ने कौन सी समस्या उठाई है? उसका समाधान क्या हो सकता है? 5

अथवा

'झेन की देन' में लेखक के अनुसार सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए। लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा? स्पष्ट कीजिए।

13. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**

जापान में मैने अपने एक मित्र से पूछा, "यहाँ के लोगों को कौन-सी बीमारियाँ अधिक होती हैं?" "मानसिक", उन्होंने जवाब दिया, "यहाँ के अस्सी फीसदी लोग मनोरुग्ण है।"

"इसकी क्या वजह है?"

कहने लगे, "हमारे जीवन की रफ्तार बढ़ गई है। यहाँ कोई चलता नहीं, बल्कि दौड़ता है। कोई बोलता नहीं, बकता है। हम जब अकेले पड़ते हैं, तब अपने आपसे लगातार बड़बड़ाते रहते हैं। अमेरिका से हम प्रतिस्पर्धा करने लगे। एक महीने में पूरा होनेवाला काम एक दिन में ही पूरा करने की कोशिश करने लगे। वैसे भी दिमाग की रफ्तार हमेशा तेज ही रहती है। उसे 'स्पीड' का इंजन लगाने पर वह हजार गुना अधिक रफ्तार से दौड़ने लगता है। फिर एक क्षण ऐसा आता है जब दिमाग का तनाव बढ़ जाता है और पूरा इंजन टूट जाता है, यही कारण है जिससे मानसिक रोग यहाँ बढ़ गए हैं।" शाम को वह मुझे एक 'टी-सेरेमनी' में ले गए। चाय पीने की एक विधि है। जापानी में उसे चा-नो-यू कहते हैं।

(क) जापान में मनोरोगियों की संख्या बढ़ने का क्या कारण है? 2

(ख) दिमाग की स्पीड बढ़ने का क्या तात्पर्य है? इसके क्या परिणाम होता है? 2

(ग) 'टी-सेरेमनी' क्या है? 1

अथवा

दुनिया कैसे वजूद में आई? पहले क्या थी? किस बिंदु से इसकी यात्रा शुरु हुई? इन प्रश्नों के उत्तर विज्ञान अपनी तरह से देता है, धार्मिक ग्रंथ अपनी-अपनी तरह से संसार की रचना भले ही कैसे ही हुई हो, लेकिन धरती किसी एक की नहीं है। पंछी, मानव, पशु, नदी, पर्वत, समंदर आदि की इसमें बराबर की हिस्सेदारी है। यह और बात है कि इस हिस्सेदारी में मानव जाति ने अपनी बुद्धि से बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी कर दी हैं। पहले पूरा संसार एक परिवार के समान था, अब टुकड़ों में बँटकर एक-दूसरे से दूर हो चुका है। पहले बड़े बड़े दालानों-आँगनों में सब मिलजुलकर रहते थे, अब छोटे-छोटे डिब्बे जैसे घरों में जीवन सिमटने लगा। बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरु कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरु कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरु कर दिया है। बारुदों की विनाश लीलाओं ने वातावरण को सताना शुरु कर दिया। अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, जलजले, सैलाब, तूफान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं। नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है।

(क) लेखक के अनुसार धरती पर किसका हक है? 1

(ख) मानवजाति ने अपनी बुद्धि का इस्तेमाल किस प्रकार किया है? 2

(ग) मनुष्य प्रकृति के साथ किस प्रकार छेड़-छाड़ कर रहा है? 2

14. (क) 'मनुष्यता' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए। 2

(ख) कवयित्री दीपक से किस बात का आग्रह कर रही है और क्यों? 2

(ग) 'आत्मत्राण' कविता के आधार पर बताइए कि दुख और कष्टों के आने पर कवि ईश्वर से क्या चाहता है? 1

15. लेखक अपने छात्र जीवन में स्कूल से छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने के लिए क्या-क्या योजनाएँ बनाता और उसे पूरा न कर पाने की स्थिति में किसकी भाँति 'बहादुर' बनने की कल्पना किया करता? 'सपनों के से दिन' के आधार पर लिखिए। 3

अथवा

अपने घर में इतनी ड़ाँट व मार खाने के बावजूद टोपी शुक्ला ने इफ़्फ़न के घर जाना बंद क्यों नहीं किया?

16. बच्चों को स्कूल भेजने के विषय में माता-पिता की क्या धारणा होती थी? 'सपनों के से दिन' के आधार पर लिखिए। 2

खंड 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। किसी ***एक*** विषय पर लिखें। 5

(क) जीवन में व्यायाम का महत्त्व -

- स्वास्थ्य का महत्त्व।
- स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम की आवश्यकता
- अस्वस्थ व्यक्ति के लिए धन, आराम आदि निरर्थक।

(ख पर्यावरण संरक्षण

- पर्यावरण का अर्थ
- पर्यावरण सुरक्षा क्यों
- हमारा दायित्व

(ग) वसंत ऋतु

- भारतीय ऋतुएँ।
- सभी ऋतुओं का अपना महत्त्व
- वसंत ऋतु की शोभा

18. 'समाज में बढ़ती असुरक्षा' के संबंध में विचार व्यक्त करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। 5

अथवा

बीमारी से मुक्त होने पर अपनी स्वास्थ्य संबंधी सोच को पत्र द्वारा भाई को बताइए।

- o O o -